

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार 4 अगस्त 2026

भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के आंदोलन के बाद बनी कमेटी, तीन-चार माह तक रुका रहा कार्य

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के नेतृत्व में चले आंदोलन का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। जिला महेंद्रगढ़ से गुजर रही टाटा पावर की बीकानेर-नीमराणा 765 केवी हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन से प्रभावित करीब 13 गांवों के किसानों के लिए सोमवार को मार्केट रेट तय कर दिया गया। मोर्चा ने इसे किसानों की एकजुटता और लंबे संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि अब किसानों को उनकी भूमि का वास्तविक मूल्य दिलाने का रास्ता साफ हुआ है। मोर्चा के अनुसार

■ मोर्चा ने कहा वास्तविक मुआवजा किसानों का अधिकार, प्रभावित किसान संगठित होकर लड़ें अपनी लड़ाई

हाईटेंशन लाइन के निर्माण से प्रभावित किसानों की ओर से संगठन ने उनकी आवाज बुलंद करते हुए परियोजना का कार्य रुकवाया था। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया था कि जब तक किसानों की भूमि का वास्तविक मार्केट रेट तय नहीं किया जाता, तब तक खेतों में किसी भी प्रकार का कार्य नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा ने जिला प्रशासन की ओर से मनोनीत मार्केट रेट कमेटी के चेयरमैन एवं एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित किसानों के लिए मार्केट रेट तय करने की मांग उठाई।



नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव के साथ कार्यालय में मौजूद किसान।

तीन से चार माह तक लाइन का कार्य रहा प्रभावित

मोर्चा का कहना है कि ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए चेयरमैन द्वारा मार्केट रेट निर्धारण के लिए कमेटी गठित की गई। इसके चलते करीब तीन से चार माह तक लाइन का कार्य प्रभावित रहा। निश्चित प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार को सभी 13 गांवों की भूमि का मार्केट रेट तय कर दिया गया। मार्केट रेट तय होने की सूचना मिलते ही प्रभावित किसानों ने भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के पदाधिकारियों का मिठाई खिलाकर आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी किसान हितों की लड़ाई में संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का भरोसा दिलाया

अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होना जरूरी

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसानों का संगठित रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब किसान एकजुट रहते हैं तो संगठन हर परिस्थिति में उनके हकों की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूती से खड़ा रहता है। उन्होंने इस मामले में सकारात्मक पहल के लिए प्रदेश सरकार तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने जिला महेंद्रगढ़ में अन्य हाईटेंशन लाइनों से प्रभावित किसानों से भी अपील कहा है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और उचित मुआवजे के लिए संगठित होकर मोर्चा से संपर्क करें, ताकि उन्हें भी उनकी भूमि का वास्तविक मार्केट रेट दिलाने के लिए संघर्ष किया जा सके। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष कर्मवीर दहिया, जिला प्रधान मनोज कुमार (गुड्डा), हवा सिंह खेड़ा, दाताराम गुजर, उदयमान धनवास, देशराज, हरदयान, पुरुषोत्तम, रामनिवास, केहर सिंह सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

समाधान शिविर में लोगों ने रखी समस्याएं

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में सोमवार को 100 नागरिकों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। इस अवसर पर नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने सामान्य शिकायतें सुनीं। पुलिस अधीक्षक दीपक ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुना। शिविर में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, बिजली-पानी, पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं।

नर्मदेश्वर शिवलिंग की स्थापना

मंडी अटेली। शनिदेव महाराज मंदिर में नर्मदेश्वर महादेव शिवलिंग की विधि-विधान के साथ स्थापना की गई। इस पावन कार्य को डॉ. कमल बिहारी शर्मा अटेली मंडी एवं राजकुमार यादव नांगल द्वारा संपन्न कराया गया। इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में हवन-पूजन का भव्य आयोजन भी किया गया, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हवन यज्ञ का संचालन ऋषिपाल शास्त्री, सीताराम, सत्यप्रकाश पंडित द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ कराया गया। कार्यक्रम के दौरान राकेश पेंटर, अजय भुगवंशी, अजीत भुगवंशी सहित अन्य व्यक्तियों ने हवन में आहुतियां देकर भगवान शिव महाकाल की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस धार्मिक आयोजन से मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

बेरहमी से पिटाई का महेंद्रगढ़ सिटी थाना इंचार्ज पर लगा आरोप

►► एसपी को दी पीड़ित परिवार ने शिकायत, निष्पक्ष जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► कनीना

गांव गुड्डा निवासी 42 वर्षीय सतीश कुमार ने बेरहमी से पिटाई करने के आरोप में पुलिस अधीक्षक सहित एचएचआरसी को शिकायत भेजी है। व्यक्ति ने मारपीट के आरोप महेंद्रगढ़ सिटी पुलिस स्टेशन इंचार्ज सहित एक अन्य कर्मचारी पर लगाए हैं। पुलिस अधीक्षक नारनौल को भेजी गई शिकायत में उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को वह महेंद्रगढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। जहां दीपक नामक व्यक्ति की सोने की अंगूठी गायब हो गई थी। जिसकी पूछताछ के लिए उसको थाने में बुलाया गया। पीड़ित ने बताया कि 29 जुलाई को सुबह 10 बजे वह पुलिस स्टेशन पहुंचे। जहां अन्य व्यक्तियों को पूछताछ के बाद बाहर भेज दिया और उसे रोक लिया। शिकायत में सतीश ने पुलिस अधिकारियों पर कमरे में मारपीट करने के आरोप लगाए। उसके पैरों के तलवों, कूल्हों और पेट पर चोट लारोप से वह बेहोश हो गया। यह मारपीट दीपक के इशारे व उसकी मौजूदगी में की गई। रात करीब नौ बजे पुलिस ने उसे परिजनों के हवाले कर दिया। उस समय सतीश अर्ध-बेहोशी की हालत में था, जिसे परिजनों ने तुरंत उप नागरिक



नया कहते हैं थाना इंचार्ज

इस बारे में सिटी थाना इंचार्ज जय भगवान ने बताया कि निवर्तमान थाना इंचार्ज पंकज कुमार की नारनौल बदली हो चुकी है। उनके संहान में आई जानकारी के मुताबिक शादी समारोह में अंगूठी चोरी की शिकायत पर उसे को वह महेंद्रगढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। जहां दीपक नामक व्यक्ति की सोने की अंगूठी गायब हो गई थी। जिसकी पूछताछ के लिए उसको थाने में बुलाया गया। पीड़ित ने बताया कि 29 जुलाई को सुबह 10 बजे वह पुलिस स्टेशन पहुंचे। जहां अन्य व्यक्तियों को पूछताछ के बाद बाहर भेज दिया और उसे रोक लिया। शिकायत में सतीश ने पुलिस अधिकारियों पर कमरे में मारपीट करने के आरोप लगाए। उसके पैरों के तलवों, कूल्हों और पेट पर चोट लारोप से वह बेहोश हो गया। यह मारपीट दीपक के इशारे व उसकी मौजूदगी में की गई। रात करीब नौ बजे पुलिस ने उसे परिजनों के हवाले कर दिया। उस समय सतीश अर्ध-बेहोशी की हालत में था, जिसे परिजनों ने तुरंत उप नागरिक

अस्पताल में भर्ती कराया गया। सतीश का कहना है कि उसने शादी समारोह में सिर्फ जमीन पर गिरे एक नोट को उठाया था और उस पर अंगूठी चोरी का झूठा आरोप लगाया गया है। सतीश ने हरियाणा मानवाधिकार आयोग, गृह विभाग व डीजीपी हरियाणा को शिकायत भेजकर आरोपित मुलाजिमों पर कार्रवाई करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग करते करने व परिवार के जान-माल की सुरक्षा की गृहार लगाई है। पीड़ित ने उसे अवैध रूप से हिरासत में रखने तथा बेरहमी से मारपीट, कस्टोडियल टॉर्चर का आरोप लगाया है।

सोमवार सुबह मायके ईश्वर कॉलोनी में स्थित घर में बने पानी के टैंक में कूदी पति के तानों से टूटी मेघा, शादी के साढ़े चार माह बाद ही कर ली आत्महत्या



नारनौल। मृतका मेघा व घर में बना वाटरटैंक।



फोटो: हरिभूमि



नारनौल। मेघा का धीरज के साथ शादी की फोटो।

की बात कहकर कमरे से बाहर निकली थी। करीब दो घंटे बाद भाई रितेश ने बिस्तर पर न देख उसे घर में खोजा, लेकिन वह नहीं मिली। जब घर में बने वाटर टैंक का ढक्कन खुला दिखाई दिया, तब उसे शक हुआ और टैंक में झांक कर देखा, तब उसके होश उड़ गए। उसकी बहन मेघा का शव टैंक में पड़ा हुआ था।

बहन रजनी का आरोप

मृतका की बहन रजनी का आरोप है कि मेघा पढ़ाई में बेहद होनहार थी और आगे बढ़ना चाहती थी, लेकिन शादी के बाद उसका जीवन नरक बना दिया गया। उनका आरोप है कि पति धीरज छोट्टी-छोट्टी बातों पर उसे अपमानित करता था, दहेज के लिए पैसों की मांग करता था और अक्सर उसे यह कहकर ताने देता था कि वह सुंदर नहीं है। परिजनों का यह भी आरोप है कि पति के दूसरी महिलाओं से संबंध थे, जिसके कारण वह मेघा की अनदेखी करता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।

नां पुष्पा ने लगाए आरोप

मेघा की मां पुष्पा ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से उनकी बेटी लगातार तनाव में रहने लगी थी। उनके अनुसार पति दो बार 50-50 हजार रुपये की मांग भी कर चुका था। परिवार का कहना है कि लगातार मानसिक उत्पीड़न और वैवाहिक जीवन में मिले अपमान ने मेघा को इतना तोड़ दिया कि उसने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया।

माई रितेश की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

सिटी थाना में निजामपुर रोड ईश्वर कॉलोनी निवासी मृतका के भाई रितेश की ओर से आरोप लगाया गया है कि उसकी बहन मेघा शर्मा की शादी 20 अप्रैल 2026 को जोरासी निवासी धीरज के साथ की थी। तब हमने हैसियत से ज्यादा दान-दहेज भी दिया था, लेकिन उसका जीजा यानि धीरज उसकी बहन को शादी में गाड़ी नहीं देने तथा और दान-दहेज नहीं लाने पर मारपीट करता था। कई बार हमने उनके घर जाकर उन्हें समझाया, लेकिन बाद में पता चला कि वह किसी अन्य लड़की से प्यार करता है। इसलिए दान-दहेज का बहाना करके उसकी बहन मेघा को मारता-पीटता है। हमने दो बार उसको 50-50 हजार रुपये भी दिए। पता चला कि धीरज ने ये रुपये अपनी पेश-अव्याशी में उड़ा दिए। वह उसकी बहन को बार-बार मारपीट करता था तथा दहेज के लिए परेशान करता था। बीते दिवस 2 अगस्त वह उसकी बहन को हमारे घर यह कहकर छोड़ गया था कि पांच लाख रुपये लेकर आना। रुपये नहीं लेकर आई तो उसके घर मत आना। इस पर आज 3 अगस्त पर गौपाल नंबरदार, सुभाष गुप्ता, भूपेश संधी, प्रदीप, मुकेश, जोगिंद्र अग्रवाल, प्रेम आजाद, प्रवीण अग्रवाल, वेदप्रकाश आदि मौजूद थे।

पुलिस कर रही जांच

सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस ईश्वर कॉलोनी में मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी का कहना है कि सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गीता सत्संग की तैयारियों के लिए बैठक

नारनौल। श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में होने वाले तीन दिवसीय गीता सत्संग की तैयारियों हेतु एक आवश्यक बैठक का आयोजन समिति के कार्यालय आहुजा क्लीनिक पर किया गया। संस्था के संरक्षक डॉ. अशोक कुमार आहुजा ने अध्यक्षता करते हुए बताया कि शहर के लोगों का परम सौभाग्य है कि गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में गीता सत्संग 11 से 13 अगस्त तक आयोजित होगा। सत्संग का स्थान सीएल फार्म व समय शाम षह बजे से रात्रि 8:30 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि बैठक में सदस्यों को कार्यक्रम के आयोजन के लिए ड्यूटियां सौंपी



नारनौल। बैठक करते समिति पदाधिकारी।

गई। संस्था प्रधान सुरेंद्र यादव ने शहर वासियों से निवेदन किया है कि गीता सत्संग में गीता चिंतन एवं सत्संग का लाभ उठाएं। इस मौके पर गोपाल नंबरदार, सुभाष गुप्ता, भूपेश संधी, प्रदीप, मुकेश, जोगिंद्र अग्रवाल, प्रेम आजाद, प्रवीण अग्रवाल, वेदप्रकाश आदि मौजूद थे।



कांवड़ यात्रा: सुरक्षा व यातायात संचालन के लिए पुलिस की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के निर्देशानुसार पुलिस प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों व वाहन चालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस प्रशासन की ओर से इस संबंध में जारी विशेष एडवाइजरी के अनुसार कांवड़ यात्रा मार्ग पर वाहनों की गति धीमी रखें और पूरी सतर्कता बरतें, अनावश्यक ओवरटैकिंग से बचें, कांवड़ियों के जंथे को ओवरटेक करने की



अफवाहों से बचें: एसपी

एसपी दीपक कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। किसी भी दुर्घटना, मेडिकल इमरजेंसी या सड़क गतिविधि की सूचना तुरंत 112 (या स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम) पर दें। एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन की ओर से यह एडवाइजरी जनहित में जारी की गई है, शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

जल्दबाजी न करें, धैर्य बनाए रखें, रूट डायवर्जन का पालन, पुलिस की ओर से निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें। वहीं नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कानूनन सख्त कानूनी कार्रवाई

की जाएगी। वहीं श्रद्धालुओं ने कहा कि पैदल श्रद्धालु हमेशा सड़क के बाएं ओर बनाई गई समर्पित कांवड़ लेन में ही चलें, बिजली के तारों से सुरक्षा हेतु पैदल कांवड़/झांकियों

की ऊंचाई छह से 10 फीट तक ही सीमित रखें। किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्री न बैठें, बस, ट्रक या अन्य वाहनों की छतों पर यात्रा करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके अलावा डीजे की

आवाज तय डेसिबल सीमा के भीतर रखें, रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर/डीजे बजाना पूर्णतः वर्जित है। भड़काऊ, अश्लील या धार्मिक सोहार्द बिगाड़ने वाले गीतों पर पूरी तरह रोक रहेगी।

13 अब नूनी शेखपुरा-सेक्टर मोड़ पर होगा हाफ...



14 आंगनबाड़ी वर्कर्स-सहायिकाओं का प्रदर्शन...



मंडी अटेली। नांगल बैरियल चौक पर बरसात के बाद जमा पानी।

फोटो: हरिभूमि

40 मिनट तक हुई झमाझम बरसात

नारनौल व अटेली में बारिश गर्मी व उमस से राहत मिली

►► बाजरा और कपास की फसलों के लिए संजीवनी बनी बरसात

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल/मंडी अटेली

नारनौल व अटेली शहर सहित आसपास के क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब दो बजे के बाद लगभग 40 मिनट तक हुई झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत दी। बारिश से पहले आसमान में काले घने बादल छा गए थे, जिसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई और मौसम अचानक सुहावना हो गया। पिछले कुछ दिनों से बढ़ते तापमान और उमस भरी गर्मी के कारण आमजन बेहाल थे, लेकिन इस बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंडी हवाओं ने वातावरण को तरोताजा कर दिया। लोगों ने राहत की सांस

लेते हुए इस मौसम का आनंद लिया। इस बरसात का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिला है। खेतों में खड़ी बाजरा और कपास की फसलों के लिए यह बारिश किसी संजीवनी से कम नहीं मानी जा रही। किसानों का कहना है कि समय पर हुई यह वर्षा फसलों की वृद्धि के लिए बेहद जरूरी है।

इससे फसलों की सेहत में सुधार होगा और उत्पादन बढ़ने की संभावना भी मजबूत हुई है। खेतों में नमी बढ़ने से फिलहाल सिंचाई की जरूरत भी कम हो गई है, जिससे किसानों को राहत मिली है। बारिश के बाद ग्रामीण इलाकों में किसानों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। किसानों का मानना है कि यदि इसी तरह समय-समय पर बारिश होती रही तो इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद की जा सकती है। वहीं आम लोगों ने भी इस बारिश को राहत भरा बताया है।



मंडी अटेली। अनाज मंडी में डीएपी खाद देने के लिए लाइन में लगे किसान।

गया तो सीलन लगने से इसकी गुणवत्ता गिर सकती है। कृषि विभाग ने अपील की है कि वह समय से पहले भंडारण से बचें और बुवाई के वक्त ही जरूरत के अनुसार खाद खरीदें।

श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों व वाहन चालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

कांवड़ यात्रा: सुरक्षा व यातायात संचालन के लिए पुलिस की एडवाइजरी

अस्त्र-शस्त्र खुले में ले जाना मना

यात्रा में त्रिशूल, लाठी, माले, तलवार, गंडासा, हॉकी आदि किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र खुले में ले जाना मना है। वाहनों में एसपीजी सिलेंडर या अन्य उच्चलेश्वरी सामान ले जाना भी प्रतिबंधित है। आपात स्थिति हेतु श्रद्धालु अपनी जेब में एक इंच पहचान पत्र (जैसे पहचान पत्र/कागज) तथा आपातकालीन संपर्क विवरण अवश्य रखें। रात में चलने वाले श्रद्धालु चमकदार कपड़े या रिफ्लेक्टर स्टिप पहनें, ताकि दूर से वाहन चालक उन्हें स्पष्ट देख सकें। बिना साइलेंसर या पटखड़ा छोड़ने वाले (मॉडिफाइड) साइलेंसर वाली बाइक चलाने पर पुलिस की ओर से वाहन जब्त कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आवाज तय डेसिबल सीमा के भीतर रखें, रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर/डीजे बजाना पूर्णतः वर्जित है। भड़काऊ, अश्लील या धार्मिक सोहार्द बिगाड़ने वाले गीतों पर पूरी तरह रोक रहेगी।



ममता का घोंसला एक स्त्री ही घर को घर बनाती है

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

पक्षियों का घोंसला केवल सूखी टहनियों, तिनकों और पत्तों का ढेर भर नहीं होता, वह प्रेम, धैर्य, श्रम और सुरक्षा का ऐसा भाव होता है, जिसमें नया जीवन पलता-खिलता है। आश्चर्य की बात यह है, किसी पक्षी ने वास्तुकला की पढ़ाई नहीं की होती, किसी इंजीनियर से सलाह नहीं ली होती, फिर भी उसका घोंसला प्रकृति की सबसे सुंदर कृतियों में से एक होता है। यही बात स्त्री के बारे में भी कही जा सकती है। वह अपने परिवार के साथ ईंट, सीमेंट और लकड़ी से निर्मित घर में नहीं रहती, वह अपना घर रिशतों, संवेदनाओं, त्याग और विश्वास से बसाती है। घर की दीवारें तो कोई भी खड़ी कर सकता है, लेकिन उनमें अपनापन भरना केवल एक संवेदनशील स्त्री ही जानती है।

परिवार के सदस्यों का जीवन संवारीती है स्त्री: जब एक युवती विवाह के बाद नए घर में प्रवेश करती है, तो वह स्वयं के साथ संस्कार, नई उम्मीदें और प्रेम के भाव भी लेकर आती है। धीरे-धीरे वह हर कमरे में मात्र अपनी उपस्थिति भर ही नहीं देती, अपनी आत्मीयता भी बिखेरती है। घर की रसोई की महक, बच्चों की मुस्कान, बुजुर्गों की देखभाल और पति का आज सौरी के सिखाता है, लेकिन घर को जोड़ने की कला अभी भी मां, बहन, पत्नी और बेटा ही सिखाती है। घर की सजावट महंगे सजा या सामानों से नहीं, मधुर शब्दों और प्रेम-सम्मान से होती है। जब घर में संवाद समाप्त हो जाते हैं, तब सुंदर से सुंदर भवन सूना-खाली लगने लगता है। वहीं यदि परिवार के सदस्यों के बीच संवादों के माध्यम से प्रेम और भरोसा बना हुआ है तो साधारण घर भी स्वर्ग जैसा अनुभव देता है।



इंटीरियर रहता है, आधुनिक किचन होता है, महंगी सजावट के बीच कई बार रिशतों की सुकून-शांति भी रहती है? यह प्रश्न हर परिवार को स्वयं से पूछना चाहिए। इस बात को समझें कि एक छोटा-सा घोंसला इसलिए मोहक लगता है, क्योंकि वहां भय नहीं, भरोसा होता है। वहां दिखावा नहीं, अपनापन होता है। पक्षी अपने बच्चों के लिए जितनी मेहनत करते हैं, उसमें रंच मात्र भी स्वार्थ नहीं होता। स्त्रियां भी अपने परिवार के लिए दिनभर अनगिनत छोटे-छोटे काम करती हैं। कई बार उनके इन कामों को महत्व नहीं दिया जाता, कोई प्रशंसा नहीं मिलती, लेकिन इन्हीं अदृश्य प्रयासों से घर-परिवार में जीवन की ऊष्मा बनी रहती है। आज सौरी के सिखाता है, लेकिन घर को जोड़ने की कला अभी भी मां, बहन, पत्नी और बेटा ही सिखाती है। घर की सजावट महंगे सजा या सामानों से नहीं, मधुर शब्दों और प्रेम-सम्मान से होती है। जब घर में संवाद समाप्त हो जाते हैं, तब सुंदर से सुंदर भवन सूना-खाली लगने लगता है। वहीं यदि परिवार के सदस्यों के बीच संवादों के माध्यम से प्रेम और भरोसा बना हुआ है तो साधारण घर भी स्वर्ग जैसा अनुभव देता है।

जरूरी है संबंधों का संरक्षण: कोई भी पक्षी अपने बच्चों को जीवन भर घोंसले में नहीं रखता। बच्चा जैसे ही उड़ना सीखता है, वह उसे स्वतंत्र आकाश में छोड़ देता है। घोंसला पक्षियों के लिए अपनी प्रतिष्ठा का प्रतीक नहीं बनता। मनुष्य इसके बिल्कुल विपरीत होता है। घर उसके लिए केवल रहने का स्थान नहीं, सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रदर्शन बन जाता है। आलीशान भवन और महंगी सजावट के बीच कई बार रिशतों की गर्माहट खो जाती है। स्त्रियों के सामने यह एक बड़ी चुनौती होती है। रिशतों को सहेजने में वे कोई कसर नहीं छोड़तीं, इस जतन में स्वयं को



ही भूल जाती हैं। उनके लिए घर की सजावट में रखी मूल्यवान चीजें कोई मायने नहीं रखतीं, घर में बसने वाले लोगों के रिशते मायने रखते हैं। बच्चों को समय देना, बुजुर्गों का सम्मान करना, परिवार में विश्वास, संवाद जीवित रखना, यही वह पूंजी है, जो पीढ़ियों तक साथ रहती है। बाकी सब कुछ समय के साथ बदल जाता है। स्त्री यदि चाहे तो वह घर को केवल



रहने की जगह नहीं, बल्कि संस्कारों की पाठशाला बना सकती है। उसकी मुस्कान, उसका धैर्य और उसका प्रेम-स्नेह आने वाली पीढ़ियों का चरित्र गढ़ता है। हम बनाएं प्रेम का घोंसला: प्रकृति हमें हर दिन सिखाती है, जीवन की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम है। एक नन्ही प्युडिया बिना किसी शिकायत के बार-बार तिनके लाती है, उन्हें जोड़ती है, आँधियों से लड़ती है। अंततः वह अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बसेरा तैयार करती है। इसी तरह स्त्री भी अपने जीवन में अनेक भूमिकाएं निभाती है, वह प्रोफेशनल है, मां है, बेटा है, पत्नी है, बहू है और कई बार पूरे परिवार की भावनात्मक धुरी भी है। ऐसे समय

में उसे यह याद रखना चाहिए कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशीलता है। घर में बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं देनी चाहिए, संवेदनशील व्यवहार करना भी सिखाना चाहिए। पति को केवल साथ नहीं, एक अच्छी समझ भी चाहिए। बुजुर्गों को केवल समय पर दवा नहीं, अपनापन और सम्मान भी चाहिए। ये सब किसी महंगी वस्तु से नहीं, आपकी ममता से ही मिलती है। आइए, हम अपने घरों को केवल सुंदर मकान बनाने की जगह, एक ऐसा घोंसला बनाएं, जहां सम्मान, विश्वास, संवाद और प्रेम-स्नेह हर दिन नए तिनके की तरह जुड़ते रहें, क्योंकि ईंटों से मकान बनते हैं, लेकिन प्रेम-स्नेह और ममता से घर बसते हैं, परिवार में खुशहाली छाती है।

एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता दांपत्य जीवन को बनाए मधुर

आज अधिकांश परिवारों में पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं। पत्नी को दोहरी जिम्मेदारी निभानी होती है। ऐसे में पत्नी के प्रति पति के कृतज्ञता के भाव जादुई असर करते हैं। कई स्तरों पर पति के प्रति पत्नी के भी कृतज्ञता के भाव बहुत जरूरी होते हैं। एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता दांपत्य जीवन को मधुर बनाती है।

नैरीड लाइफ
वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज की महिलाएं सिर्फ अपना करियर ही नहीं बना रही हैं, परिवार की जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। ऐसे में मधुर दांपत्य जीवन और परिवार की खुशहाली के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसमें सबसे जरूरी है कृतज्ञता का भाव। हमें इस बात को समझना चाहिए कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल अधिकारों का नहीं, अपनत्व का रिश्ता है। जब दोनों यह सोचने लगते हैं 'मैं अपना काम कर रही हूँ, वह अपना काम कर रहा है', इसमें कृतज्ञता या आभार जताने की क्या जरूरत? इस तरह की सोच रिशतों में गर्माहट कम करती है। प्रेम के पौधे को जिम्मेदारियों के साथ-साथ सम्मान और आभार के जल से सिंचित करना जरूरी है।

दिलाएं अहमियत का एहसास: कृतज्ञता के भाव के साथ-साथ पति को पत्नी की अहमियत को समझना चाहिए। अधिकांश महिलाएं घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाते-बनाते थक जाती हैं। दूसरी ओर पुरुष भी काम के बहुत दबाव और जिम्मेदारियों से जूझते हैं। ऐसे में यदि दोनों केवल एक-दूसरे की कमियां देखने लगें तो रिशते बोझ बन जाएंगे। अगर दिन में एक बार भी दिल से यह कह दिया जाए, 'तुम्हारी वजह से मेरा जीवन आसान है' तो यह छोटा-सा वाक्य रिशते में नई रंगत भर देगा।

प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं पति-पत्नी: पति-पत्नी आपसी प्रतिद्वंद्वी नहीं, जीवनयात्रा के सहयात्री हैं। अगर दोनों हर काम का हिसाब रखेंगे कि किसने, कितना काम किया तो रिश्ता प्रेम से अधिक एक अनुबंध जैसा लगने लगेगा। प्रेम का सौंदर्य इसी में है कि कभी एक अधिक देता है, कभी दूसरा। दोनों के मन में शिकायत नहीं, अपनापन और कृतज्ञता के भाव होने चाहिए। छोटी-छोटी बातों में छिपा है बड़ा प्रेम: मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं, कृतज्ञता व्यक्त करने वाले दंपती अधिक खुश रहते हैं, भावनात्मक रूप से



एक-दूसरे से ज्यादा जुड़े होते हैं। जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों की सराहना करने से शिकायतें कम होती हैं और आत्मीयता बढ़ती है। सोचिए, यदि पति बिना कहे शाम की चाय बना दे या पत्नी उसकी थकान देखकर चुपचाप उसके पास बैठकर प्रेम से सिर में हाथ फेर दे तो यह कोई बड़ा त्याग नहीं है। यदि इन छोटे-छोटे प्रयासों के लिए एक प्यारी सी मुस्कान और एक 'थैंक यू' मिल जाए, तो ऐसे पल रिशते को गहरा बना देते हैं।



सुखी वैवाहिक जीवन का रहस्य: आज सोशल मीडिया पर हम अनजान लोगों की तस्वीरों पर 'वाह', 'बहुत अच्छा' और 'थैंक यू' लिखने में देर नहीं करते, लेकिन अपने सबसे करीबी पति/पत्नी से यह कहने में संकोच करते हैं, 'तुम्हारी वजह से मेरा जीवन खूबसूरत है।' सुखी वैवाहिक जीवन का रहस्य बड़े उपहारों या किसी बड़े टूरिस्ट प्लेस पर घूमने से नहीं, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में छिपा होता है। एक प्याला चाय, थकान में एक स्नेह भरा स्पर्श, एक मुस्कान और दिल से निकला 'थैंक यू', ये बातें दांपत्य जीवन को हर दिन खूबसूरत बना देती हैं। रिशतों में प्रेम किसी चमत्कार से नहीं बढ़ता। यह बढ़ता है सम्मान, देखभाल, विनम्रता और इस अहसास से कि हमारे जीवन में सामने वाले का होना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। यदि हम हर दिन निश्चल भाव अपनी कृतज्ञता के भाव प्रकट करते रहें तो इसके जादू का असर बहुत प्रभावशाली होगा, दांपत्य रिशतों में प्रेम की सुगंध हमेशा बनी रहेगी।

ट्रैवल टिप्स
ललिता गोयल

जीवन के सबसे सुखद अनुभवों में से एक होती है-यात्रा। जब यात्रा घर के बुजुर्गों के साथ हो तो यह एक अलग तरह का अनुभव देती है। बुजुर्गों के साथ यात्रा को आरामदायक और यादगार बनाने के लिए सही प्लानिंग की जरूरत होती है। क्योंकि बुजुर्गों के साथ यात्रा करने के दौरान यही डर रहता है कि कहीं वे बीमार न पड़ जाएं या उन्हें खाने-पीने को लेकर दिक्कत ना हो? इस तरह की और भी कई चिंताएं मन में होती हैं। आइए, जानते हैं कि बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय किन खास बातों का ध्यान रखा जाए, जिससे उनकी यात्रा यादगार, आरामदायक बने।

सही पर्यटन स्थल चुनें: बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय, पर्यटन स्थल का चुनाव सावधानी से करें। उनकी विशेष पसंद पूछें, लेकिन सुनिश्चित करें कि वह स्थान उनके लिए उपयुक्त है या नहीं। देखें कि क्या उस पर्यटन स्थल तक आसानी से पहुंचा जा सकता है? टिकट कंफर्म होने पर ही करें यात्रा: बुजुर्गों के साथ यात्रा का प्रोग्राम बनाते समय ध्यान रखें कि टिकट कंफर्म है या नहीं? टिकट कंफर्म होने के बाद ही यात्रा करें। इससे सफर सुकून भरा और रिलेक्सिंग होगा। आरामदायक स्थान दें: ट्रैवलिंग के दौरान बुजुर्गों को आरामदायक स्थान दें, फिर चाहे ट्रैवलिंग गाड़ी से हो, फ्लाइट या ट्रेन से हो। होटल बुक

बुजुर्गों के साथ की गई यात्रा परिवार के साथ बिताए अनमोल पलों का अवसर होती है। लेकिन बुजुर्गों के साथ यात्रा प्लान करते समय आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होगा, ताकि वे आराम के साथ यात्रा करें और इसका पूरा आनंद उठाएं।

बुजुर्गों के साथ जब जाएं यात्रा पर रखें इन बातों का खास ध्यान



करते समय ग्राउंड फ्लोर, लिफ्ट और सुविधाजनक बाथरूम वाली सुविधाओं को प्राथमिकता दें। बस, ट्रेन या हवाई जहाज में लंबे समय तक बैठे रहने से उन्हें असुविधा हो सकती है, इसलिए पहले से ही अतिरिक्त लेगरूम वाली सीट चुनें। एक ही दिन कई जगहों न घूमें: यात्रा के दौरान एक दिन में बहुत सारी जगह देखने का प्लान न बनाएं। बीच-बीच में ब्रेक लें। बुजुर्गों को रैस्ट करने का पूरा समय दें ताकि उन्हें थकान न हो। खाने का सामान साथ में जरूर रखें: बुजुर्गों के साथ ट्रैवलिंग के दौरान ड्राई फ्रूट्स या घर के बने कुछ स्नेक्स भी साथ में रखकर ले जाएं, जिससे यात्रा के दौरान बीच-बीच में भूख लगने पर वे खा सकें। सफर के दौरान शरीर में पानी की कमी न होने दें और उन्हें समय-समय पर पानी या जूस देती रहें। सामान कम करी करें: बुजुर्गों के साथ यात्रा करते समय बहुत सारी चीजें ले जाने से बचें। इससे सामान चीजें ले जाने से बचें। इसलिए यात्रा में वही सामान पैक करें, जिसकी वास्तव में आवश्यकता हो। ऐसा करने से यात्रा के दौरान आप बुजुर्गों का सही से ध्यान रख पाएंगी। सही कपड़े और फुटवियर चुनें: यात्रा में जाने से पहले बुजुर्गों के लिए उपयुक्त कपड़े और जूते पैक करना न भूलें। गर्म मौसम के लिए, ढीले और आरामदायक कपड़े पर्याप्त मात्रा में ले जाएं। ठंडे मौसम के लिए, स्वेटर, मोजे, जूते, टोपी और जैकेट पैक करें।



फर्स्ट एड बॉक्स जरूर रखें बुजुर्गों को यात्रा पर ले जाने से पहले बहुत जरूरी है कि उनका पूरा मेडिकल चेकअप करा लें। उनका बीपी, शुगर आदि नॉर्मल होने पर ही उन्हें अपने साथ यात्रा के लिए ले जाएं अन्यथा वे रास्ते भर परेशान होंगे और आपको भी चिंता होगी। अपने साथ फर्स्ट एड बॉक्स जरूर रखें, क्योंकि यात्रा के दौरान कब कौन-सी दवा की जरूरत पड़ जाए कदा नहीं जान सकता। फर्स्ट एड बॉक्स में बुजुर्गों की दवाइयों को एकजगह व्यवस्थित ढंग से रखें। साथ में ओआरएफ, इलेक्ट्रॉल आदि के पाउच भी रख लें।

मेकअप
नैसी गुप्ता

बारिश के मौसम में परफेक्ट और लॉन्ग लास्टिंग मेकअप करना ईजी नहीं होता है। उमस, नमी और बार-बार होने वाली बारिश के कारण मेकअप जल्दी मेल्ट, फैलने या फीका पड़ने लगता है। कई बार घर से निकलते समय किया गया खूबसूरत मेकअप कुछ ही घंटों में खराब नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि इस सीजन में मेकअप के कुछ ही ट्रेंड्स अपनाए जाएं, ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे और चेहरा फ्रेश दिखाई दे। स्किन करें तैयार: लंबे समय तक टिकने वाले मेकअप की शुरुआत अच्छी स्किन प्रिपरेशन से होती है। सबसे पहले चेहरे को माइल्ड फेसवॉश से साफ करें। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं ताकि स्किन

डाइट सजेशन
रेखा देशराज

बारिश के इस मौसम में वातावरण में नमी काफी ज्यादा बढ़ जाती है। इससे बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनपते हैं। नतीजतन सर्दी, जुकाम, वायरल बुखार, पेट के संक्रमण, फूड प्वाइजनिंग और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। महिलाओं को और खासतौर पर काम-काजी महिलाओं को, अपने खान-पान में ध्यान देना चाहिए। जानकारों का मानना है कि मानसून के दिनों में स्वस्थ रहने का सबसे आसान और प्रभावी उपाय है-संतुलित, ताजा और पौष्टिक भोजन। सही डाइट इन दिनों महिलाओं की न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है बल्कि स्वस्थ रहने से इनकी ब्यूटी में भी निखार आता है। हेल्दी डाइट से त्वचा, बालों आदि में भी असर साफ दिखता है। इसलिए बारिश के मौसम में हेल्दी डाइट का सेवन करना बहुत जरूरी है।

मानसून में भी आपका मेकअप रहेगा मेंटेन

हाइड्रेटेड रहे। बहुत ज्यादा ऑयली या हेवी क्रोम लगाने से बचें क्योंकि इससे मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। हेवी नहीं लाइट फाउंडेशन: बारिश के मौसम में मोटी फाउंडेशन लेयर लगाने से मेकअप के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए फुल कवरेज फाउंडेशन की जगह बीबी क्रोम, सीसी क्रोम या टिंटेड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे चेहरा नेचुरल, फ्रेश दिखता है। अप्लाई करें प्राइमर: इस सीजन में मेकअप करते समय प्राइमर बेहद जरूरी माना जाता है। यह स्किन और मेकअप के बीच एक स्मूद



आईलाइनर के फैलने की समस्या आम होती है। इससे बचने के लिए वॉटरप्रूफ और स्मज-प्रूफ प्रोडक्ट्स चुनें। ये पसीने और नमी के बावजूद आंखों के मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करते हैं।

लेयर बनाता है, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिकता है। खासकर ऑयली स्किन वालों के लिए मैटिफाइंग प्राइमर अच्छा विकल्प हो सकता है। यह एक्सट्रा ऑयल को नियंत्रित करने में मदद करता है। वॉटरप्रूफ प्रोडक्ट्स का करें यूज: मानसून में काजल, मस्कारा और मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे चेहरा नेचुरल, फ्रेश दिखता है। अप्लाई करें प्राइमर: इस सीजन में मेकअप करते समय प्राइमर बेहद जरूरी माना जाता है। यह स्किन और मेकअप के बीच एक स्मूद

बारिश के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों का रиск बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग होनी चाहिए। इसके लिए कैसा हो आपका डाइट प्लान, जानिए।

इस मौसम में ऐसी हो आपकी हेल्दी डाइट

प्रोटीन-विटामिन सी रिच डाइट: इन दिनों शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना सबसे जरूरी होता है। इसलिए भोजन में विटामिन-सी, एंटी-ऑक्सिडेंट और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसलिए अपनी मानसून डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां, शिमला मिर्च और टमाटर को विशेष रूप से शामिल रखें। अमरूद, नींबू, संतरा और आंवला भी इन दिनों खाएं ताकि शरीर को भरपूर विटामिन-सी मिल सके। राजमा, चना, मूंग दाल जरूर खाएं और पनीर को प्रोटीन के लिए प्राथमिकता दें। इस मौसम में प्रोटीन युक्त डाइट महिलाओं के ऊतकों की मरम्मत अच्छी तरह से करती है, जिससे वे स्वस्थ रहती हैं और



उनकी सुंदरता भी निखरती है। पाचन का रखें ध्यान: बारिश के मौसम में अकसर पेट खराब हो जाता है। इसलिए दूसरे मौसमों से ज्यादा इस मौसम में जरूरी होता है कि आप अपने पाचन का ध्यान रखें। इसके लिए हल्का, संतुलित और सुपाच्य भोजन ही करें। दही, इस मौसम में देर से और मुश्किल से पचता है। इसलिए दही तभी लें, जब आप दही आसानी से पचा लेती हों। अगर छाछ लें

इन बातों का रखें ध्यान

- ▶ हमेशा ताजा और गर्म भोजन करें।
- ▶ मौसमी फल और हरी सब्जियां अच्छी तरह धोकर जरूर खाएं।
- ▶ खुले में बिकने वाले कटे हुए फल, सलाद या स्ट्रीट फूड भूलकर भी न खाएं।
- ▶ इस मौसम में अपने भोजन में दालें,

- अंकुरित अनाज और प्रोटीन की अच्छी मात्रा शामिल करें।
- ▶ बासी भोजन खाने से बचें।
- ▶ प्रतिदिन पर्याप्त पानी पिएं। नींबू पानी, छाछ या नारियल पानी को भी अपनी डाइट में शामिल करें।



ख़बर संक्षेप



बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक में ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू
नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय पॉलिटेक्निक, नारनौल में सत्र 2026-27 के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम जारी है। 30 जुलाई से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 7 अगस्त तक चलेगा। इसका उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, नियमों एवं शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना है। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य अनिल यादव ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि ओरिएंटेशन कॉलेज जीवन की सफल शुरुआत का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम अग्लाइड साइंस विभागाध्यक्ष मंजू सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को कॉलेज के नियम, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, छात्रवृत्ति योजनाओं, बस सुविधा, प्लेसमेंट सेल, प्रशिक्षण एवं रोजगार व परीक्षा प्रणाली और तकनीकी शिक्षा के महत्व से भी अवगत कराया गया।

राव सुल्तान सिंह स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर किया नाम रोशन



महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बेहड़ा के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयनित खिलाड़ियों के विद्यालय पहुंचने पर निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा एवं उप-प्राचार्य रामकुमार ने उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि विद्यालय की छात्रा रितिका पुत्री बहमदेव खासरा ने 100 मीटर दौड़ में प्रथम तथा लंबी कूद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीना पुत्री पवन कुमार दाणी सोहला ने अंडर-17 वर्ग की लंबी कूद में द्वितीय स्थान हासिल किया। विराग पुत्र कर्मवीर दादोते ने 3 किलोमीटर चाल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को जेद्दाई के साथ-साथ खेलों में भी रुचि रखनी चाहिए। खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। इस अवसर पर संस्था चेयरपर्सन सुषमा यादव, किड्स हेड स्नेहलता, कर्ण सिंह निम्बल तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पूर्व विधायक फूसाराम को कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नांगल चौधरी। नारनौल से तीन बार विधायक रहे चौधरी फूसाराम की 29वीं पुण्यतिथि पर धौलड़ा स्थित फार्म हाउस में श्रद्धांजलि रसा का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक मंजू चौधरी ने परिजनों व कार्यकर्ताओं के साथ प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। हवन में आहुति जलाने के बाद दिवंगत आत्मा के सिंघातों के अनुसरण का संकल्प लिया। विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि उन्हें जनसेवा का अवसर स्वर्गीय चौधरी फूसाराम के संघर्ष, सादगी और जनता के प्रति समर्पण भावना से मिला है। करीब तीन दशक बाद भी लोगों के दिलों में उनके प्रति सम्मान और अपमान पढ़ते जैसा ही बना हुआ है। उनकी पुण्यतिथि पर हजारों लोगों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि वे आज भी क्षेत्रवासियों की स्मृतियों में जीवंत हैं। चौधरी फूसाराम ने विद्यालय रहते हुए नारनौल में हैफेड ऑपन मील, वाणिज्य सड़कों का निर्माण, स्कूल अपावेड समेत कई विकास कार्य कराए, जिनसे जनता आज भी लाभान्वित हो रही है। कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद उन्होंने स्कूलों में शिक्षा के व्यापक प्रबंध किए तथा गांव स्तर पर विभागीय पेयजल व्यवस्था मुहैया कराई थी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की कारशेली पर विचार व्यक्त किए। इस मौके पर पूर्व विधायक चौधरी मूलाराम, नांगल चौधरी ब्लॉक कांवेस प्रधान बिक्रम यादव, निजामपुर ब्लॉक प्रधान राजकुमार, प्रदीप पाण्डे, महेंद्र पाण्डे, ज्ञानीराम पटवारी, रामनिवास प्रधान, नलवाटी विकास समिति के प्रधान सतपाल, अमय गांवड़ी, दलीप मोहनपुर, महीपाल आदि मौजूद रहे।

गोसेवा के साथ मनाया बच्चों का जन्मदिन

नारनौल। गोसेवा मंडल के सानिध्य में श्री उपचार गोशाला में केटरा मंडल के बच्चों के पौत्र सात्विक व विनोद यादव (पब्लिक हेल्थ परिवार) की पौत्रा राव वान्या का जन्मदिन गोमाता की सेवा के साथ श्रद्धा व उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस पावन अवसर पर गोमाता को हरी चरी व सब्जियों की सवामणी लगाई गई। सभी गोभवक्तों ने मिलकर गोसेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया तथा दोनों बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर मंडल प्रधान सत्यपाल यादव, गोसेवा मंडल संस्थापक मुकेश वालिया, प्रधान सत्यपाल यादव, गर्जेंद्र नंबरदार, सचिव रमेश यादव, कैशियर राजेश यादव, सज्जन सिंह, रोहित, सतीश भल्ला, रामचंद्र योगाचार्य आदि मौजूद रहे।

विद्या ही सर्वश्रेष्ठ धनः शास्त्री

महेंद्रगढ़। विद्या लेना व देना परम पुनीत कार्य है, जिसे अध्यापक व विद्यार्थियों को पूर्ण निष्ठा व समर्पित भाव से पूरा करना चाहिए। यह विचार शिक्षाविद एवं साहित्यकार प्रताप सिंह शास्त्री ने छात्र सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भांडौर ऊंची में प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। शास्त्री ने कहा कि विद्या का धन सर्वश्रेष्ठ है और यह एक ऐसा धन है, जो खर्च करने से बढ़ता है और संचय करने से घटता है। अतः विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा व मनोयोग से अधिक इस धन को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्या मनुष्य की माता की भांति रक्षा करती है तथा पिता की भांति हित कार्यों में नियोजित ऐसा धन है, जिसे चोर, चुरा नहीं सकता तथा झंझड़ बटा नहीं सकती। स्कूल की प्राचाया सुनीता देवी ने शास्त्री का धन्यवाद किया। मंड संवाल्क वेदप्रकाश शास्त्री ने कहा कि प्रताप सिंह शास्त्री स्वयं एक कुशल अध्यापक रहे हैं। इस अवसर पर प्रवक्ता राजेश यादव, विकास यादव, राजेश कुमार, सन्तोषी लाम्बा, सुनयना कुमारी, पूनम कुमारी, अध्यापक गजेन्द्र कुमार, सुकेश वर्मा, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार, शर्मिला तथा विजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।



महेंद्रगढ़। बच्चों को संबोधित करते शिक्षाविद प्रताप सिंह शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा उदय अभियान के तहत होने वाली हाफ मैराथन के लिए डीसी ने ली बैठक
अब नूनी शेखपुरा-सेक्टर मोड़ पर होगा हाफ मैराथन का स्टार्टिंग प्वाइंट



नारनौल। मौके का जायजा लेती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

दीपक भी मौजूद थे। इसके बाद उपायुक्त ने महेंद्रगढ़ रोड पर मुख्यमंत्री के लिए नूनी शेखपुरा मोड़ के नजदीक बनाए जाने वाले विशेष मंच की तैयारी को लेकर मौके का जायजा लिया। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम का शुभारंभ एक विशेष मंच (मचान) पर चढ़कर करेंगे। इस मचान के साथ ही कलाकारों के लिए तथा प्रेस के लिए अलग से मंच बनाए जाएंगे। उपायुक्त ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के संकल्प को लेकर हजारों नागरिक एक साथ दौड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस पूरे रूट पर सौंदर्यीकरण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। दीवारों पर नशामुक्त हरियाणा से संबंधित स्लोगन लिखे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक जन भागीदारी पर जोर दिया गया है। पुलिस प्रशासन, खेल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं के समन्वय से रूट चयन, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और प्रतिभागियों के फंजीकरण का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है।

श्रीकृष्णा स्कूल के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय खेल में गाड़े झंडे

हरिभूमि न्यूज >>> महेंद्रगढ़
श्रीकृष्णा स्कूल में सोमवार को खेल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह स्कूल के खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में किए गए ऐतिहासिक व उत्कृष्ट प्रदर्शन के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए स्कूल के चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वहीं, विजित अतिथि के तौर पर स्कूल के सीईओ कर्मवीर राव व डा. कविता राव उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य रविप्रकाश द्वारा की गई। सम्मान समारोह के दौरान



महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते चेयरमैन बीरसिंह यादव व अन्य।

विजेता खिलाड़ियों को मेडल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान खेल उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्य खेल प्रशिक्षक महिपाल यादव व कोच उत्तम सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि मॉडल संस्कृति स्कूल नारनौल में 28 जुलाई से 30 जुलाई तक जिला स्तरीय कबड्डी और एथलेटिक्स

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हैप्पी स्कूल की बेटियों का स्वर्णिम परचम



महेंद्रगढ़। सीबीएसई वलस्टर-15 गर्ल्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026-27 में हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता राव निहाल सिंह पब्लिक स्कूल डेरौली (रेवाड़ी) में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न राज्यों के सीबीएसई विद्यालयों की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अंडर-17 वर्ग की 4x100 मीटर रिले टीम ने अद्भुत तालमेल, गति और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए बॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस विजेता टीम में हर्षिमा, महक, मनीषा, गुनज और भाविका ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। वहीं अंडर-19 वर्ग में मुक्ता ने जैवलिन थी तथा चर्च में डिस्कस थी रपर्धा में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। इस शानदार उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के स्पोर्ट्स मांज नरेश तंवर एवं उनकी पूरी खेल प्रशिक्षक टीम को जाता है, जिनके कुशल मार्गदर्शन, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और निरंतर प्रेरणा ने छात्राओं को इस मुकाम तक पहुंचाया। संवाल्क सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंवाल्क कोशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल तथा प्राचार्य डॉ. जे एस कुंजल ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।



कनीना। उहाणी महिला कॉलेज में छात्राओं व अभिभावकों को जानकारी देते प्राचार्य विक्रम सिंह। फोटो : हरिभूमि

उन्हाणी कॉलेज में छात्राओं का किया स्वागत
कनीना। राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी में उच्चतर शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत नवप्रवेशी छात्राओं व उनके अभिभावकों के लिए एक उन्मुखीकरण ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवागत छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, उपलब्ध संसाधनों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि यह आयोजन छात्राओं के शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और कोशल विकास भी उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं। आरटीई-2020 पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि यह नीति विद्यार्थियों के समग्र विकास, नवाचार और उनकी रुचि के अनुरूप अवसर प्रदान करने पर जोर देती है। उन्हें पुस्तकालय, आधुनिक प्रयोगशाला तथा स्मार्ट कक्षाओं जैसी सुविधाओं से अवगत कराया गया। अंत में छात्राओं व अभिभावकों की सभी शंकाओं व जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

ख़बर संक्षेप



पाथेड़ा प्राचीन मंदिर में शिव परिवार मूर्तियों की स्थापना
नारनौल। बाबा सेवानंद मंदिर पाथेड़ा के प्राचीन शिव मंदिर में शिव परिवार मूर्तियों की स्थापना विधि विधान से की गई। शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल ने रिबन काटकर किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ यज्ञ में पूर्णाहुति प्रदान की और मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इससे पहले विजल कलश एवं मूर्ति भ्रमण यात्रा गांव के आम रास्तों से होकर निकाली गई। जिसमें सैकड़ों महिला, पुरुष श्रद्धालुओं ने बम-बम भोले के जयकारे लगाते हुए गांव का वातावरण भक्तिमय बना दिया। अतरलाल ने कहा कि शिव परिवार की शिक्षाएं हमें परिवार की अनेकता में एकता बनाए रखने का संदेश देती हैं। इस मौके पर पूर्व सरपंच दलीप सिंह, महंत बिरेंद्रानंद, कैप्टन मामन सिंह, सुबेदार सुबेसिंह, इन्द्रलाल शर्मा, करतार सिंह, राजेन्द्र सिंह, ठेकेदार राजसिंह, सुबेदार मंजर कुंदन सिंह आदि मौजूद थे।



हवन के साथ यदुवंशी डिग्री कॉलेज में नया सत्र शुरू
महेंद्रगढ़। बुचौली रोड यदुवंशी डिग्री कॉलेज में सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण एवं हवन-यज्ञ के साथ नव शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। विद्यार्थी अनुशासन, परिश्रम एवं संस्कारों को अपनाकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति करें। निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच ही सफलता का आधार है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह ने कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है। प्रत्येक विद्यार्थी को समय का सदुपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए तथा अपने माता-पिता, गुरुजनों और संस्थान का नाम रोशन करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर चेयरपर्सन श्रीमती संगीता यादव, गुपु, सीआईडी तनीष राव, डायरेक्टर विजय सिंह, डॉ. प्रदीप यादव तथा प्राचार्य बबरआन ने संयुक्त रूप से शुभकामनाएं दीं।



लक्ष्मी नारायण अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर
महेंद्रगढ़। लक्ष्मी नारायण मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के 9 वर्ष पूरे होने तथा एलएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स माधोगढ़ के दूसरे स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर लगा। इस शिविर का संवाल्क अस्पताल परिसर में स्थित 'दाताराम ब्रांड बैंक' में सुबह भी बजे से दोपहर दो बजे तक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा का विधायक एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालाड़ा ने रिबन काटकर रक्तदान शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत के बाद मुख्य अतिथि ने रक्तदान कर रहे युवाओं और नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनका उत्साहवादी किया। इस दौरान अनुशासित ढंग से 100 से अधिक स्वेच्छुक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम समापन अवसर पर अस्पताल संस्थापक एवं डायरेक्टर डॉ. प्रदीप यादव ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं, चिकित्सकों और स्थानीय निवासियों का आभार व्यक्त किया।



कपिल स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते मेडल
महेंद्रगढ़। सीबीएसई वलस्टर-15 में कपिल स्कूल के छात्र फास्क ने अंडर 19 वुशु प्रतियोगिता में पहला स्थान पाकर गोल्ड मेडल जीता, वहीं बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर दूसरा स्थान पाया है। अंडर 14 कराटे प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा मेहा, चंचल, निशिका ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं विद्यालय की छात्र निरितन पुत्र भीम सिंह ने भी अंडर 14 में कराटे प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता है। अंडर 14 कराटे में बॉन्ज मेडल जीतने वाले छात्रों में वैभव, कपिल, दुष्यंत, रुद्र तथा लड़कियों में नजराना व मय्या ने अपना नाम दर्ज किया है। विद्यालय की सीईओ प्रिया तिवारी, एमडी कपिल तिवारी, प्राचार्य व उपप्राचार्य द्वारा इनको सम्मानित किया गया।



बीकेएन स्कूल की टीम राज्य स्तर पर दिखाएगी दम
नारनौल। बीकेएन स्कूल सिहमा की अंडर-17 खो-खो बालिका टीम ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौल में संपन्न हुई। जिसमें बीकेएन स्कूल सिहमा की अंडर-17 खो-खो टीम बालिका की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करके राज्य स्तर के प्रतियोगिता में जगह बनाई है। इस उपलब्धि पर स्कूल प्रांगण में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन विजय सिंह ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी प्रथम आने के लिए अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्य राजेश, उपप्राचार्य जसवंत सिंह, रीना मैडम, सरोज मैडम, पूनम मैडम, संदीप, नरेश कम्प्यूटर, कृष्ण पीटीआई आदि ने सुखी जाहिर करते हुए सफलता की कामना की। इसी प्रकार बीकेएन का छात्र हिमांशु भी कराटे में जिला स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है।



श्रीकृष्ण स्कूल में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश
नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुंगाका में सोमवार को वेद प्रचार मण्डल जिला महेंद्रगढ़ एवं आर्य समान नांगल चौधरी के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत पौधोपयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों व स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण व अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई। इस दौरान महाना राधेश्याम ने विद्यार्थियों को मन पर नियंत्रण विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण और जीवन में सफलता के लिए मन पर नियंत्रण, अनुशासन तथा सकारात्मक सोच का विशेष महत्व है।

फसल बीमा की बढ़ी अंतिम तिथि से किसानों को राहत, ऋणी 14 व गैर-ऋणी को 5 अगस्त तक मौका, 31 जुलाई की समय-सीमा बढ़ने से छूटे किसानों को मिला अवसर

राजकुमार ►नारनौल

खरीफ सीजन में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने से वंचित रह गए किसानों के लिए राहत भरी खबर है। सरकार ने फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब ऋणी (लोन लेने वाले) किसान 14 अगस्त तक तथा गैर-ऋणी किसान 5 अगस्त तक अपनी फसलों का बीमा करा सकेंगे। पहले दोनों श्रेणियों के किसानों के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी। समय कम होने के कारण बड़ी संख्या में किसान योजना का लाभ लेने से वंचित रह

गए थे। इस वर्ष खरीफ फसलों का बीमा पोर्टल 25 जुलाई को खोला गया था और महज सात दिन बाद 31 जुलाई को अंतिम तिथि निर्धारित कर दी गई थी। महेन्द्रगढ़ में खरीफ सीजन के दौरान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कपास, धान, बाजरा, मक्का और मूंग की फसल का बीमा कराया जा सकता है। प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से संचालित इस योजना में निर्धारित प्रीमियम जमा कर बीमा कराया जाता है। फसल को नुकसान होने पर नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाता है।

खास बातें

- गैर-ऋणी किसानों के पास अब भी केवल 5 अगस्त तक का समय
- महेन्द्रगढ़ में लगातार घट रही योजना की लोकप्रियता

बीमा कंपनियों के रवैये से किसानों का भरोसा कमजोर

छह वर्षों में तेजी से घटी किसानों की रूचि

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत देश में 18 फरवरी 2016 को किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से की गई थी। शुरुआती वर्षों में महेन्द्रगढ़ जिले के किसानों ने इस योजना में अच्छी भागीदारी दिखाई। वर्ष 2019 में 52,215, 2020 में 48,345, 2021 में 48,763 तथा 2022 में 52,519 किसानों ने फसल बीमा कराया था। इसके बाद योजना में किसानों की रूचि लगातार घटती गई। वर्ष 2023 में जिले में एक भी किसान ने बीमा नहीं कराया, जबकि 2024 में 13,894 और 2025 में केवल 12,695 किसानों ने ही इस योजना का लाभ लिया। वर्ष 2026 के आंकड़े बीमा प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामने आएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा कंपनियों द्वारा दावों के निपटान में होने वाली देरी, नुकसान के आकलन को लेकर किसानों की शिकायतें तथा अपेक्षित मुआवजा समय पर नहीं मिलने जैसी वजहों से किसानों का भरोसा पहले की तुलना में कमजोर हुआ है।

इन फसलों पर देना होगा इतना प्रीमियम

जिला महेन्द्रगढ़ में इस वर्ष खरीफ सीजन के दौरान कपास पर 5176.25 रुपये, धान पर 2023.80 रुपये, बाजरा पर 975.58 रुपये, मक्का पर 1037.84 रुपये तथा मूंग पर 908.10 रुपये प्रति एकड़ प्रीमियम निर्धारित किया गया है। बीमा के दायरे में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति के अलावा स्थानीय आपदाएं जैसे ओलावृष्टि, जलभराव और बाढ़ल फटवों से हुए नुकसान भी शामिल हैं।



नारनौल। रेवाड़ी रोड पर बना कृषि विभाग कार्यालय। फोटो: हरिभूमि

सुरक्षा कवच का करता है काम

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के दौरान मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा किसानों के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है। ऐसे में जिन किसानों का अभी तक बीमा नहीं हुआ है, उन्हें बढ़ी हुई समय-सीमा का लाभ उठाकर योजना में शामिल होना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी प्राकृतिक नुकसान की स्थिति में आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सके।

यह कहते हैं कृषि अधिकारी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिन्होंने मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर खरीफ फसल का पंजीकरण कराया हुआ है। पात्र किसान निर्धारित समय सीमा के भीतर बीमा अवश्य कराएं ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने किसानों के अंतिम तिथि का इंतजार न करने और समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील भी की। -डॉ. देवेंद्र सिंह यादव उपनिदेशक, जिला कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नारनौल

खबर संक्षेप



मेहंदीपुर बालाजी धाम के लिए रवाना हुई पदयात्रा

नारनौल। श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ की ओर से हर वर्ष की भांति इस बार भी मेहंदीपुर बालाजी धाम के लिए पदयात्रा सोमवार को भक्तिमय माहौल में रवाना हुई। नलापुर स्थित मोटा महादेव मंदिर से शुरू हुई पदयात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा मंडल के संरक्षक सावरमल गोयल के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज व भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए राजस्थान के मेहंदीपुर धाम की ओर प्रस्थान किया। पदयात्रा को लेकर रविवार रात मोटा महादेव मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार सुबह आचार्य क्रांति निर्मल ने मंदिर परिसर में पदयात्रियों से निशान पूजन करवाया। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना के साथ यात्रा रवाना हुई।



खैरोली के कार्यकर्ताओं ने प्रो. शर्मा से की मुलाकात

महेन्द्रगढ़। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा से उनके पंचकूला स्थित आवास पर विधायनसभा क्षेत्र के गांव खैरोली के भाजपा कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि महेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश से भाजपा कार्यकर्ता एवं उनके समर्थक निरंतर उनसे मिलने पहुंच रहे हैं और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। कार्यकर्ताओं का यह स्नेह और आत्मीयता उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्रो. शर्मा ने बताया कि वह 11 अगस्त को अपने पैतृक गांव स्थित बाबा भूरास्ता मंदिर में आयोजित जलाभिषेक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान चिरंजी गुर्जर, राजेश, बलराम, प्रेम, शिशाराम, रणवीर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

नशामुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प की दिलाई थाप

नांगल चौधरी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शहजहापुर में नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम प्रचारि छत्रपाल यादव की अगुवाई में आयोजित हुआ। जिसमें युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेवार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के नशों से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि नशा व्यक्ति के भविष्य के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और नशामुक्त युवा ही सशक्त राष्ट्र की नींव बन सकते हैं। माई भारत पोर्टल के माध्यम से नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को नशे से दूर रहने की इ-प्रतिज्ञा दिलाई गई।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड़ा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेन्द्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तख्ता कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फ़ोन :- 8295738500, 9253681005

हरिभूमि न्यूज ►नारनौल

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा स्कीम वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसडब्ल्यूएफआई) एवं एआईयूटीयूसी के बैनर तले सोमवार को पुराना लघु सचिवालय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं की सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने की, जबकि संचालन जिला सचिव संतोष डिल्लो ने किया। सभा के बाद कार्यकर्ताओं ने सुसज्जित जुलूस निकालकर लघु सचिवालय पर जोरदार प्रदर्शन किया और मुख्यामंत्रि के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, राज्य प्रधान कृष्णा देवी, जिला सचिव संतोष डिल्लो, कन्होला, बलजीत, कृष्णा कुमारी, अनिता, ममता, रौशनी, राजबाला, दीपमाला, सुनीता, दीपा शर्मा, उर्मिला, कान्ता, जया, सरला यादव, सुखदेव, प्रेमलता, एआईयूटीयूसी के जिला सचिव छाजूराम रावत व मुकेश कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से आंगनबाड़ी कर्मियों की कई



नारनौल। तहसीलदार को ज्ञापन सौंपती आंगनबाड़ी वर्कर्स। फोटो: हरिभूमि

►► आंदोलन किया जाएगा और तेज

सभा के उपरांत यूनियन सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय तक मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम संबोधित ज्ञापन उपयुक्त के माध्यम से तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में सरकार से यूनियन के साथ वार्ता के लिए शीघ्र तिथि व समय निर्धारित कर लखित मांगों के समाधान की दिशा में ठोस निर्णय लेने का आग्रह किया गया। तहसीलदार ने यूनियन प्रतिनिधियों

को आश्वासन दिया कि उनका मांग-पत्र राज्य सरकार को भेज दिया जाएगा। प्रदर्शन को गाम पंचायत द्यूबुवेल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा (एआईयूटीयूसी) के जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मकसूसपुरिया, सुरेंद्र भौड़ी व वरिष्ठ नागरिक भीमसेन ने भी समर्थन दिया। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन की ओर तेज किया जाएगा।

न्यायोचित एवं पूर्व में स्वीकार की जा चुकी मांगों को अब तक लागू नहीं किया गया है। इससे प्रदेशभर के आंगनबाड़ी कर्मियों में भारी रोष है। वक्ताओं ने कहा कि हड़ताल के दौरान बर्खास्त कर बाद में बहाल की गई प्रदेश की 975 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को

अब तक टर्मिनेशन अवधि का भुगतान नहीं किया गया है। इनमें जिले की 36 कर्मी शामिल हैं, जिनमें 28 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आठ सहायिकाएं हैं। उन्होंने सरकार से इन सभी कर्मियों का बकाया भुगतान तत्काल जारी करने की मांग की।



नारनौल। प्रदर्शन करती आंगनबाड़ी वर्कर्स। फोटो: हरिभूमि

सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

यूनियन नेताओं ने आंगनबाड़ी कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने तथा जब तक यह संभव न हो, तब तक कुशल श्रमिक का दर्जा देकर न्यूनतम 28 हजार रुपये मासिक वेतन लागू करने की मांग की। इसके अलावा प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वरिष्ठता के आधार पर बिना किसी शर्त के 50 प्रतिशत पदों पर सुपरवाइजर के रूप में पदोन्नति देने, पिछले तीन वर्षों की इस राशि जारी करने तथा केंद्र सरकार की ओर से लखित नौ माह के मानदेय का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई। सभा में वक्ताओं ने कहा कि

आंगनबाड़ी कर्मियों पर लगातार अतिरिक्त कार्यों का बोझ बढ़ाया जा रहा है, जिससे मूल कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इयूटी के अतिरिक्त कार्यों पर सख्ती से रोक लगाई जाए तथा कार्यभार कम किया जाए। साथ ही इयूटी के दौरान किसी भी प्रकार की मृत्यु होने पर दो लाख रुपये की सहायता राशि, प्रतिमाह 400 रुपये इंटरनेट भत्ता, गुणवत्ता आधारित पूरक पोषाहार उपलब्ध कराने, मानदेय एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का कारिया प्रत्येक माह समय पर देने तथा प्रत्येक माह सात तारीख से पहले मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी सरकार के समक्ष रखी गई।

बीएलओ व सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ►नारनौल

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार को नारनौल विधानसभा क्षेत्र-70 के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर व सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं उपमंडल अधिकारी के निर्देशन में सभागार भवन लघु सचिवालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार (निर्वाचन) सुरेंद्र हुड्डा ने की। मास्टर ट्रेनर साकेत यादव ने बीएलओ व सुपरवाइजरों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान नोटिस वितरण, दावे एवं आपत्तियों की



नारनौल। प्रशिक्षण शिविर में मौजूद बीएलओ व सुपरवाइजर। फोटो: हरिभूमि

प्रक्रिया, घर-घर सत्यापन, अभिलेखों के रखरखाव तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य निष्पादन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसलिए सभी बीएलओ व सुपरवाइजर पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने बीएलओ व सुपरवाइजरों की शंकाओं का

समाधान करते हुए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए, ताकि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जा सके। ट्रेनिंग में सहायक निर्वाचक पंजीयक लच्छीराम, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज, कानूनगो राकेश कुमार, डॉ. मनोज, कामेश सैनी आदि उपस्थित रहे।

महिला कॉलेज की पूर्व छात्राओं ने बढ़ाया मान

■ एक बनी पीआरटी, दूसरी ने यूजीसी-नेट किया उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ►नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की दो पूर्व छात्राओं की उल्लेखनीय सफलता से कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है। विभाग की पूर्व छात्रा सुजाता पुत्री महेश कुमार निवासी गांव मुलोदी का प्रार्थमिक विद्यालय अध्यापक (पीआरटी) के पद पर चयन हुआ है, जबकि विभाग की एक अन्य पूर्व छात्रा काजल पुत्री महेश कुमार निवासी गांव मुलोदी ने यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय एवं राजनीति विज्ञान विभाग का नाम रोशन किया है।



नारनौल। पूर्व छात्राओं के साथ कॉलेज स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

दोनों छात्राओं की उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अमित चौधरी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन यादव ने

कहा कि सुजाता व काजल की सफलता विभाग के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। दोनों पूर्व छात्राओं की उपलब्धियां वर्तमान छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। समर्पण, मेहनत और सकारात्मक सोच से किसी भी लक्ष्य

छात्राओं को दी बधाई

इस अवसर पर प्राध्यापकों व कर्मचारियों ने भी दोनों छात्राओं को बधाई दी। जिनमें प्रो. यशपाल, प्रो. आरपी सिंह, प्रो. मुकेश यादव, प्रो. पारुल गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. पवन कुमार, निकिता, डॉ. गिर्रीश, डॉ. पूनम, डॉ. गीता, डॉ. सुनीता, संदीप कुमार (असिस्टेंट), संजेश यादव सहित समस्त महाविद्यालय परिवार शामिल रहा। सभी ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगे भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करती रहेंगी।

को हासिल किया जा सकता है और दोनों छात्राओं ने इसका उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।



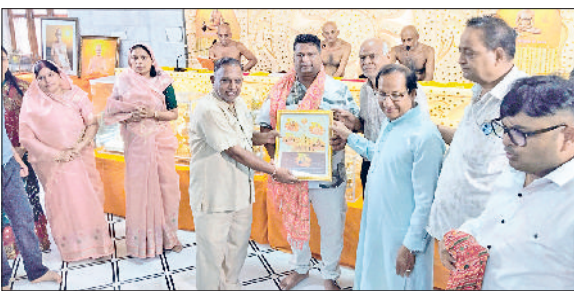
नारनौल। बैठक में संबोधित करती सीजेएम नीलम कुमारी। फोटो: हरिभूमि

लापता बच्चों व मॉडल प्रॉसिक्यूशन स्कीम को लेकर समीक्षा

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीलम कुमारी ने की। इस मौके पर नगराधीश डॉ. मंगल सेन भी मौजूद थे। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर बाल संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करना, लापता बच्चों की तलाश व पुनर्वास में तेजी लाना तथा संशोधित मॉडल प्रॉसिक्यूशन स्कीम के प्रभावी क्रियान्वजन को सुनिश्चित करना है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एसएलपी (आपराधिक) संख्या 11263/2025 केस टाइटल 'जी. गणेश ब्रह्मन तमिलनाडु राज्य एवं अन्य' में जारी किए गए महत्वपूर्ण न्यायिक दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी बच्चे के गायब होने की सूचना मिलते ही बिना किसी देरी के अतिवाह्य रूप से एफआईआर दर्ज की जाए और लापता बच्चों की त्वरित तलाश के लिए कानूनी सुरक्षा एवं पुनर्वास से जुड़े दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

100 दिनों का सदुपयोग करने का आह्वान

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने भाग्य को सौभाग्य में बदलने के लिए इन 100 दिनों का सदुपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि चातुर्मास आत्मचिंतन, तप, साधना और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ अवसर है। इस पावन काल में धर्म साधना, स्वाध्याय व सदाचार के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। चातुर्मास जैन धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व माना जाता है। इस अवधि में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-अर्चना, स्वाध्याय, सेवा व तप के माध्यम से आत्मकल्याण का प्रयास करते हैं।



नारनौल। अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

वर्षा योग-2026 व चातुर्मास का भव्य आगाज हुआ। मुनिश्री की मंगलदेशना (अमृत वाणी) मंगल कलश स्थापना के बाद सागर

महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि चातुर्मास जैनियों के लिए पुण्याचन का सबसे उपयुक्त समय है।